1 B

Ex. भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के द्वारा ''असंगठित श्रमिकों हेतु राष्ट्रीय डेटाबेस'' (NDUW) तैयार करने के लिए इस पोर्टल को प्रारंभ किया गया है। इसमें नाम, पता, व्यवसाय, शिक्षा, कौशल व योग्यता व परिवार संबंधित विवरण उपलब्ध है।

2 C

Ex. ये ऐसी संस्थाएँ हैं, जो वित्तीय संस्थाओं के मध्य उधारकर्ताओं के वित्तीय लेन–देन के आंकड़ों को उपलब्ध कराते हैं।

3 B

Ex. कर्नाटक व आंध्र प्रदेश सर्वाधिक सौर–ऊर्जा का उत्पादन करते हैं। विदित है कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक 450 जी.डब्ल्यू. हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

4 C

Ex. एफ.पी.सी. का गठन किसी भी या अधिक प्राथमिक उत्पादकों या दो या अधिक उत्पादक संस्थाओं, या दोनों के सहयोग से किया जा सकता है। इस प्रकार एफ.पी.सी. सहकारी–संस्थाओं और निजी कंपनियों का मिश्रित रूप है। एफ.पी.सी. का पंजीकरण ''भारतीय कंपनी अधिनियम'' के तहत होती है।

5 C

Ex. USOF, भारत के ग्रामिण व दूरस्थ क्षेत्रों में गुणवत्तायुक्त व गैर–विभेदकारी दूरसंचार सेवा उपलब्ध कराने हेतु प्रारंभ किया गया है।

6 D

Ex. PLFS, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) द्वारा जारी होता है जबकि ''त्रैमासिक रोजगार सर्वेक्षण श्रम–ब्यूरो द्वारा प्रकाशित होता है।

7 D

Ex. ''दिवाला एवं शोधन अक्षमता कोड–2016'' के मूल ढांचे में ही प्री–पैकी की सिफारिश की गई है। इसमें सार्वजनिक बोली प्रक्रिया के बजाय सुरक्षित लेनदारों और निवेशकों के बीच एक समझौते के माध्यम से तनावग्रस्त कंपनी के ऋण के समाधान का प्रावधान है।

8 B

Ex. RBI द्वारा 1 जनवरी, 2021 को उक्त सूचकांक को जारी किया गया जिसमें 5 भुगतान मानदण्डों को अपनाया गया है।

9 B

Ex. हाल में बैंकों द्वारा सरकारी बॉण्ड में निवेश को वरियता दी गई। जबकि आर्थिक हालातों के अनुरूप अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराकर अर्थवयवस्था को उभारने का प्रयास करना चाहिए।

10 D

Ex. UPA सरकार द्वारा 2005–10 के मध्य तेल कंपनियों को 1.4 लाख करोड़ का Oil-Bond' जारी कार्ड रोजकोषीय घाटे को कम करने का प्रयास किया गया ताकि सब्सिडी देने से बचा जा सके। अर्थात् सब्सिडी देने से घाटा बढ़ जाता, अतः बदले में Bond दे दिया गया और Bond की परिपक्वता तक उस पर उन्हें ब्याज दिया गया परिपक्व होने पर सब्सिडी का भुगतान।

11 B

Ex. MSF, RBI की योजना है जिसके तहत बैंक RBI से अतिरिक्त ऋण सुविधा प्राप्त करते हैं। यह अल्पकालीन ऋण होता है। जो सरकारी प्रतिभूतियों के बदले प्राप्त होता है। किन्तु इस सुविधा का लाभ केवल तभी मिलता है, जबकि बैंकों द्वारा RBI की अन्य ऋण सुविधाओं जैसे–रेपो इत्यादि का लाभ लिया जा चुका है। इसकी दर रेपो दर से अधिक होती है।

12 B

Ex. "PM-KISAN" केन्द्र प्रायोजित योजना है, जिसके तहत प्रतिवर्ष 6000 रु. की आर्थिक सहायता तीन बराबर किश्तों में हर चौथे महीने में किसानों को दी जाती है।

13 C

Ex. मुद्रा की आपूर्ति में कमी होने से मुद्रास्फीति नियंत्रित होती है।

14 B

Ex. सरकार द्वारा अधिक ऋण लेने के कारण पूंजी का प्रवाह निजी क्षेत्र से सरकार की ओर होता है, जिससे निवेश हतोत्साहित होता है, साथ ही सरकारी–व्यय बढ़ने से मुद्रास्फीति की संभावना भी प्रबल होती है।

15 B

Ex. यह रिपोर्ट विश्व बैंक द्वारा जारी की जाने वाली एक प्रमुख रिपोर्ट है जिसमें वैश्विक आर्थिक परिदृश्य व विकास पर फोकस किया जाता है, जिसमें उभरती व विकासशील अर्थव्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

16 D

Ex. NEFT के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर धन का अन्तरण RBI द्वारा संचालित होता है। जिसके लिए न्यूनतम सीमा का निर्धारण बैंकों द्वारा किया जाता है। RTGS और NEFT दोनों ही धन–अन्तरण की सुविधाएँ हैं। आमतौर पर RTGS के द्वारा 2 लाख रु. से अधिक का लेनदेन किया जाता है।

17 A

Ex. रेपो दर पर RBI बैंक को उधार देता है, जबकि रिवर्स–रेपो दर पर ऋण लेता है, किन्तु इसका उद्देयश्य बैंकों की अतिरिक्त नकदी को अवशोषित करके तरलता की मात्रा को नियंत्रित करना है।

18 D

Ex. प्रायद्वीपीय पठार में छत्तीसगढ़ का मैदान ही नाम का एकमात्र मैदान है।

यह एक तश्तरी के आकार का गड्ढा है जो ऊपरी महानदी द्वारा बहाया जाता है।

पूरा बेसिन मैकला रेंज और ओडिशा पहाड़ियों के बीच स्थित है।

यह उत्तर में छोटा नागपुर पठार, उत्तर पूर्व में रायगढ़ पहाड़ियों, दक्षिण पूर्व में रायपुर अपलैंड, दक्षिण में बस्तर पठार और पश्चिम में मैकला रेंज से घिरा है।

इस क्षेत्र पर कभी हैतीवंशी राजपूतों का शासन था जिनके छत्तीस किलों (छत्तीसगढ़) से इसका नाम पड़ा।

बेसिन चूना पत्थर और शेल्स के लगभग क्षैतिज बिस्तरों के साथ रखी गई है।

मैदान की सामान्य ऊंचाई पूर्व में 250 मीटर से लेकर पश्चिम में 330 मीटर तक है।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITU

19 B

Ex. ग्रेटर हिमालय में कई दर्रे मौजूद हैं। अधिकांश वर्ष के लिए दर्रे बर्फ से ढके रहते हैं क्योंकि वे आम तौर पर समुद्र तल से 4,570 मीटर से अधिक ऊंचे होते हैं।
जम्मू और कश्मीरः
1. बुर्जिल पास, 2. ज़ोजी ला
हिमाचल प्रदेशः
1. बड़ा लच्छा ला, 2. शिपकी ला
उत्तराखंडः
1. थगा ला, 2. नीति पास, 3. लिपु लेख
सिक्किमः
1. नाथू ला, 2. जेलेप लाई

20 C

Ex. पटकाई बम पहाड़ियाँ मजबूत बलुआ पत्थर से बनी हैं;2,000 मीटर से 3,000 मीटर तक की ऊंचाई; नागा पहाड़ियों में विलीन हो जाती है जहाँ सरमती (3,826 मीटर) सबसे ऊँची चोटी है।
पटकाई बम और नागा हिल्स भारत और म्यांमार के बीच वाटरशेड बनाते हैं।
नागा पहाड़ियों के दक्षिण में मणिपुर की पहाड़ियाँ हैं जिनकी ऊँचाई आमतौर पर 2,500 मीटर से कम है।
बरेल श्रृंखला नागा पहाड़ियों को मणिपुर की पहाड़ियों से अलग करती है।
आगे दक्षिण में बरेल रेंज पश्चिम में जयंतिया, खासी और गारो पहाड़ियों में झूलती है जो भारतीय प्रायद्वीपीय ब्लॉक की पूर्व की ओर निरंतरता है। वे गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा मुख्य ब्लॉक से अलग हो जाते हैं।
मणिपुर की पहाड़ियों के दक्षिण में मिज़ो पहाड़ियाँ हैं जिनकी ऊँचाई 1,500 मीटर से कम है। उच्चतम बिंदु दक्षिण में ब्लू माउंटेन (2,157 मीटर) है।

21 D

Ex. खाइयां अपेक्षाकृत खड़ी तरफा, संकीर्ण बेसिन या अवसाद हैं। ये क्षेत्र महासागरों के सबसे गहरे हिस्से हैं। वे टेक्टोनिक मूल के हैं और महासागर–महासागर अभिसरण और महासागर महाद्वीप अभिसरण के दौरान बनते हैं। वे आसपास के समुद्र तल से लगभग 3–5 किमी गहरे हैं। खाइयाँ महाद्वीपीय ढलानों के आधार पर और द्वीप चापों के साथ गहरे समुद्र के मैदान के किनारों के साथ स्थित हैं। खाइयां सीमावर्ती तह पहाड़ों या द्वीप श्रृंखलाओं के समानांतर चलती हैं। प्रशांत महासागर में खाइयाँ बहुत आम हैं और प्रशांत के पश्चिमी और पूर्वी हाशिये पर लगभग निरंतर वलय बनाती हैं।
प्रशांत महासागर में गुआम द्वीप समूह से दूर मारियाना ट्रेंच 11 किलोमीटर से अधिक की गहराई के साथ सबसे गहरी खाई है। वे सक्रिय ज्वालामुखियों और मजबूत भूकंपों से जुड़े हुए हैं, उनमें से ज्यादातर जापान की तरह गहरे फोकस वाले भूकंप हैं। यह उन्हें प्लेट आंदोलनों के अध्ययन में बहुत महत्वपूर्ण बनाता है।

22 C

Ex. वायुमण्डल अनेक गैसों का मिश्रण है। इसके अलावा, इसमें भारी संख्या में ठोस और तरल कण होते हैं, जिन्हें सामूहिक रूप से 'एरोसोल' कहा जाता है।
कुछ गैसों को स्थायी वायुमंडलीय घटकों के रूप में माना जा सकता है जो कुल गैस मात्रा के निश्चित अनुपात में रहते हैं।
अन्य घटक समय–समय पर मात्रा में भिन्न–भिन्न होते हैं।
यदि निलंबित कणों, जलवाष्प और अन्य परिवर्तनशील गैसों को वायुमंडल से बाहर कर दिया जाए, तो शुष्क हवा पूरी पृथ्वी पर लगभग 80 किलोमीटर की ऊँचाई तक बहुत स्थिर होती है।
वायुमंडल की ऊपरी परतों में गैसों का अनुपात इस प्रकार बदलता है कि 120 किमी की ऊँचाई पर ऑक्सीजन लगभग नगण्य मात्रा में होगी। इसी तरह कार्बन डाइऑक्साइड और जलवाष्प पृथ्वी की सतह से केवल 90 किमी की दूरी पर ही पाए जाते हैं।
नाइट्रोजन और ऑक्सीजन स्वच्छ, शुष्क हवा का लगभग 99% हिस्सा बनाते हैं। शेष गैसें ज्यादातर निष्क्रिय होती हैं और वायुमंडल का लगभग 1% हिस्सा बनाती हैं।
इन गैसों के अलावा वायुमंडल में बड़ी मात्रा में जलवाष्प और धूल के कण भी मौजूद हैं। ये ठोस और तरल कण अत्यधिक जलवायु महत्व के हैं।
वायुमंडल के विभिन्न घटकों, उनकी व्यक्तिगत विशेषताओं के साथ, नीचे चर्चा की गई है।

23 B

Ex. जल वाष्प वायुमंडल में मौजूद सबसे अधिक परिवर्तनशील गैसीय पदार्थों में से एक है। वायुमंडल में 90% नमी पृथ्वी की सतह के 2 किमी के भीतर मौजूद है। कार्बन डाइऑक्साइड की तरह, जल वाष्प वातावरण की इन्सुलेट क्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह न केवल लंबी–तरंग वाले स्थलीय विकिरण यानी रात के दौरान पृथ्वी द्वारा उत्सर्जित अवरक्त या गर्मी को अवशोषित करता है, बल्कि आने वाले सौर विकिरण का भी एक हिस्सा है।
जलवाष्प वर्षा और बादलों का स्रोत है। संघनन पर, यह संघनन की गुप्त ऊष्मा छोड़ता है – सभी तूफानों के पीछे अंतिम प्रेरक शक्ति।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITU

24 D

Ex. हिमालय न केवल सुरक्षा की दृष्टि से बल्कि आर्थिक कारणों से भी बहुत महत्वपूर्ण है।
तृतीयक चट्टानों में जियोसिंक्लिनिकल जमा संभावित कोयले और तेल भंडार के क्षेत्र हैं।
कोयला कश्मीर में पाया जाता है, ताँबा, सीसा, जस्ता, सोना, चाँदी, चूना पत्थर, अर्ध–कीमती और कीमती पत्थर हिमालय के कुछ स्थानों पर पाए जाते हैं।
लेकिन इन संसाधनों के दोहन के लिए उन्नत तकनीकों की आवश्यकता होती है जो अभी तक उपलब्ध नहीं हैं।
साथ ही, ऐसे नाजुक वातावरण को परेशान करने से लाभ से ज्यादा दर्द होता है।

25 D

Ex. लैटेराइट मिट्टी ज्यादातर अपक्षय के अंतिम उत्पाद हैं। वे वैकल्पिक गीले और सूखे समय के साथ उच्च तापमान और भारी वर्षा की स्थितियों के तहत बनते हैं। भारी वर्षा मिट्टी के लीचिंग (पोषक तत्व पानी से धुल जाती है) को ब ढ़ावा देती है जिससे चूना और सिलिका दूर हो जाते हैं और लोहे और एल्यूमीनियम यौगिकों के ऑक्साइड से भरपूर मिट्टी पीछे रह जाती है। लैटेराइट का लैटिन में मतलब ईंट होता है। नमी खोने पर वे बहुत सख्त हो जाते हैं। लेटराइट मिट्टी का रंग थोड़ा लाल और बजरी या लाल बालू–पत्थर अधिक होने के कारण होता है। वैकल्पिक आर्द्र और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में, निक्षालित पदार्थ जो क्षितिज में गहराई तक जाता है, ऊपर लाया जाता है और धधकता सूरज ऊपर की मिट्टी को इतना कठोर बना देता है कि वह एक ईंट जैसा हो जाता है। इसलिए, इस मिट्टी को लैटेरिटिक कहा जाता है जिसका शाब्दिक अर्थ है ईंट।

26 A

Ex. हाल ही में, भारत और विश्व बैंक ने मौजूदा बांधों को सुरक्षित और लचीला बनाने के लिए बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना (डीआरआईपी चरण II) के लिए $250 मिलियन की परियोजना पर हस्ताक्षर किए।
5334 बड़े बांधों का संचालन और 411 निर्माणाधीन के साथ भारत चीन और अमेरिका के बाद विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है। वे देश की जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं और परिसंपत्ति प्रबंधन और सुरक्षा के मामले में एक प्रमुख जिम्मेदारी का गठन करते हैं।
2018 के नेशनल रजिस्टर ऑफ लार्ज डैम (NRLD) के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में सबसे अधिक बांध हैं, इसके बाद मध्य प्रदेश और गुजरात हैं।

27 B

Ex. इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, 21वीं सदी में एएमओसी में गिरावट आने की बहुत संभावना है।
AMOC महासागरीय धाराओं की एक बड़ी प्रणाली है। यह महासागरीय कन्वेयर बेल्ट या थर्मोहालाइन परिसंचरण (टीएचसी) की अटलांटिक शाखा है और पूरे विश्व के महासागरीय घाटियों में गर्मी और पोषक तत्व वितरित करता है।
जहां हवाएं समुद्र की सतह के ऊपरी 100 मीटर में समुद्र की धाराएं चलाती हैं, वहीं समुद्र की धाराएं भी सतह से हजारों मीटर नीचे बहती हैं। ये गहरे समुद्र की धाराएं पानी के घ नत्व में अंतर से प्रेरित होती हैं, जो तापमान (थर्मो) और लवणता (हलाइन) द्वारा नियंत्रित होती है। इस प्रक्रिया को थर्मोहेलिन परिसंचरण के रूप में जाना जाता है।

28 C

Ex. अंटार्कटिका एक देश नहीं है। इसकी कोई सरकार नहीं है और कोई स्वदेशी आबादी नहीं है। इसके बजाय, पूरे महाद्व ीप को एक वैज्ञानिक संरक्षण के रूप में अलग रखा गया है।
1 दिसंबर 1959 को वाशिंगटन में अंटार्कटिक संधि पर बारह देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे, जिनके वैज्ञानिक 1957–58 के अंतर्राष्ट्रीय भूभौतिकीय वर्ष (IGY) के दौरान अंटार्कटिका में और उसके आसपास सक्रिय थे।
संधि के पक्षकारों की कुल संख्या अब 54 (भारत सहित) है।
भारत अंटार्कटिक समुद्री जीवित संसाधनों (सीसीएएमएलआर) के संरक्षण के लिए समिति का सदस्य है, जो समुद्री जैव विविधता और इसके संरक्षण को देख रहे वैधानिक निकाय हैं, जिसे 1982 में अंटार्कटिक संधि सलाहकार पार्टी (एटीसीपी) द्वारा स्थापित किया गया था, जिसका मुख्यालय होबार्ट में है। ऑस्ट्रेलिया।
अंटार्कटिक समुद्री जीवन संसाधनों के संरक्षण के लिए आयोग (CCAMLR) की स्थापना 1982 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा अंटार्कटिक समुद्री जीवन के संरक्षण के उद्देश्य से की गई थी। यह अंटार्कटिक क्रिल संसाधनों में ब ढ़ती व्यावसायिक रुचि, अंटार्कटिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक प्रमुख घटक और दक्षिणी महासागर में कई अन्य समुद्री संसाधनों के अति–शोषण के इतिहास के जवाब में था।

29 D

Ex.

30 A

Ex. बघेलखंड मैकाल रेंज के उत्तर में स्थित है।
यह पश्चिम में चूना पत्थर और बलुआ पत्थर और पूर्व में ग्रेनाइट से बना है।
यह उत्तर में सोन नदी से घिरा है।
पठार का मध्य भाग उत्तर में सोन जल निकासी प्रणाली और दक्षिण में महानदी प्रणाली के बीच जल विभाजन के रूप में कार्य करता है।
150 मीटर से 1,200 मीटर तक की सामान्य ऊंचाई के साथ यह क्षेत्र असमान है।
भानरेर और कैमूर ट्रफ–अक्ष के करीब स्थित हैं।
स्तरों की सामान्य क्षैतिजता से पता चलता है कि इस क्षेत्र में कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं हुई है।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITU

31 A

Ex. इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन (ITCZ) में हवा कम दबाव के कारण होने वाली संवहन धाराओं के कारण ऊपर उठती है। उच्च सूर्यातप के कारण निम्न दाब उत्पन्न होता है। उष्ण कटिबंध से व्यापारिक पवनें इस निम्न दाब क्षेत्र में अभिसरण करती हैं।

अभिसरण वायु संवहन कोशिका के साथ ऊपर उठती है। यह 14 किमी की ऊँचाई तक क्षोभमंडल के शीर्ष पर पहुँचता है, और ध्रुवों की ओर बढ़ता है। यह लगभग 30°N और S पर हवा के संचय का कारण बनता है। संचित हवा का एक हिस्सा जमीन में डूब जाता है और एक उपोष्णकटिबंधीय उच्च बनाता है। डूबने का एक अन्य कारण 30°N और S अक्षांशों तक पहुंचने पर हवा का ठंडा होना है।

भूमि की सतह के नीचे नीचे की ओर हवा भूमध्य रेखा की ओर पूर्वी हवाओं के रूप में बहती है। भूमध्य रेखा के दोनों ओर से आने वाली पूर्वी हवाएं इंटर ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन (ITCZ) में मिलती हैं। सतह से ऊपर की ओर और इसके विपरीत इस तरह के संचलन को कोशिका कहा जाता है। उष्ण कटिबंध में ऐसी कोशिका को हैडली कोशिका कहते हैं।

32 D

Ex. प्रवाल वृद्धि के लिए आदर्श परिस्थितियाँ इस प्रकार हैं:

स्थिर जलवायु परिस्थितियाँ: मूंगे जल्दी परिवर्तन के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। वे उन क्षेत्रों में उगते हैं जहां जलवायु लंबे समय तक काफी स्थिर रहती है।

हमेशा के लिए गर्म पानी: उष्णकटिबंधीय पानी में मूंगे पनपते हैं यानी पानी का तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस होना चाहिए। मूंगे को जीवित रहने के लिए पर्याप्त मात्रा में सूर्य के प्रकाश की आवश्यकता होती है। प्रवाल वृद्धि के लिए आदर्श गहराई समुद्र की सतह से 45 मीटर से 55 मीटर नीचे है, जहां प्रचुर मात्रा में धूप उपलब्ध है। साफ खारा पानी प्रवाल वृद्धि के लिए उपयुक्त है, जबकि मीठे पानी और अत्यधिक खारा पानी दोनों हानिकारक हैं। ऑक्सीजन और सूक्ष्म समुद्री भोजन की पर्याप्त आपूर्ति, जिसे प्लवक (फाइटोप्लांकटन) कहा जाता है, विकास के लिए आवश्यक है। चूंकि समुद्र की ओर प्लवक अधिक प्रचुर मात्रा में होता है, प्रवाल समुद्र की ओर तेजी से बढ़ते हैं। प्रवाल अत्यधिक नाजुक होते हैं और जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के प्रति संवेदनशील होते हैं और समुद्री प्रदूषण में एक मिनट की भी वृद्धि विनाशकारी हो सकती है।

33 A

Ex. राउरकेला के पास कोयल और शंख नदियों के संगम से ब्राह्मणी नदी अस्तित्व में आती है। इसकी कुल लंबाई 800 किमी है।

बेसिन उत्तर में छोटा नागपुर पठार, पश्चिम और दक्षिण में महानदी बेसिन और पूर्व में बंगाल की खाड़ी से घिरा है।

बेसिन झारखंड, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा राज्यों से होकर बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

कावेरी डेल्टा के दक्षिण में कई धाराएँ हैं, जिनमें से वैगई सबसे लंबी है।

वैगई बेसिन कावेरी और कन्याकुमारी के बीच स्थित 12 बेसिनों में से एक महत्वपूर्ण बेसिन है।

यह बेसिन वरुसनडु पहाड़ियों, अंदिपट्टी पहाड़ियों, इलायची पहाड़ियों और पश्चिम में पलानी पहाड़ियों और पूर्व में पाक जलडमरूमध्य और पाक खाड़ी से घिरा है।

वैगई एक ऐसे क्षेत्र में बहती है जो पूरी तरह से तमिलनाडु राज्य में स्थित है।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

34 D

Ex. सौर विकिरण से ऊष्मा ऊर्जा पृथ्वी द्वारा तीन तंत्रों अर्थात् विकिरण, चालन और संवहन के माध्यम से प्राप्त की जाती है। विकिरण वास्तविक संपर्क या गति के बिना एक शरीर से दूसरे शरीर में गर्मी हस्तांतरण है। यह अपेक्षा.त खाली स्थान में संभव है, उदाहरण के लिए, सूर्य से पृथ्वी तक अंतरिक्ष के माध्यम से। चालन आणविक गतिविधि द्वारा पदार्थ के माध्यम से गर्मी हस्तांतरण है। विभिन्न धातुओं में ऊष्मा का स्थानांतरण चालन द्वारा होता है। आम तौर पर, पानी जैसे सघन पदार्थ अच्छे संवाहक होते हैं और हवा जैसा हल्का माध्यम ऊष्मा का कुचालक होता है। वायुमंडल की निचली परतों को चालन द्वारा गर्म किया जाता है। संवहन पदार्थ या पदार्थ के एक स्थान से दूसरे स्थान पर वास्तविक स्थानांतरण द्वारा ऊष्मा ऊर्जा का स्थानांतरण है।

35 C

Ex. ढलान की डिग्री, तापमान, वर्षा की घटना में भिन्नता को मानचित्र पर समान मानों की रेखाएँ खींचकर प्रदर्शित किया जा सकता है। ऐसे सभी मानचित्रों को आइसोप्लेथ मानचित्र कहा जाता है। आइसोथर्म (Isotherm) एक मानचित्र पर एक रेखा है जो एक निश्चित समय पर या एक निश्चित अवधि में औसतन समान तापमान वाले बिंदुओं को जोड़ती है। आइसोबार मानचित्र पर बनी एक रेखा है जो समान वायुमंडलीय दबाव वाले स्थानों को समुद्र तल तक कम करने वाले स्थानों को जोड़ती है। आइसोनेफ मानचित्र पर एक रेखा है जो उन बिंदुओं को जोड़ती है जिनमें बादलों का औसत प्रतिशत समान होता है। एक आइसोहाइट या आइसोहाइटल रेखा एक निश्चित अवधि में मानचित्र पर समान वर्षा के बिंदुओं को मिलाने वाली रेखा है। Isohaline समुद्र के मानचित्र पर समान लवणता वाले सभी बिंदुओं को जोड़ने वाली रेखा है। यह महासागरों, समुद्रों और झीलों में दिखाई देता है।

36 C

Ex. बिटकॉइन 2009 में बनाई गई एक क्रिप्टोक्यूरेंसी है। ''बिटकॉइन एक्सचेंज'' नामक मार्केटप्लेस लोगों को विभिन्न मुद्राओं का उपयोग करके बिटकॉइन खरीदने या बेचने की अनुमति देता है।
चीन के केंद्रीय बैंक ने घोषणा की है कि क्रिप्टो–मुद्राओं के सभी लेनदेन अवैध हैं, बिटकॉइन जैसे डिजिटल टोकन पर प्रभावी रूप से प्रतिबंध लगा रहे हैं।
शीर्ष आठ बिटकॉइन खनन देश
संयुक्त राज्य अमेरिका–35.4%, कजाकिस्तान–18.1:, रूस–11. 23:, कनाडा–9.55:, आयरलैंड–4.68:, मलेशिया–4.59:, जर्मनी–4.48:, ईरान–3.11

37 D

Ex. बिग डेटा संगठनों द्वारा एकत्रित संरचित, अर्ध–संरचित और असंरचित डेटा का एक संयोजन है जिसे जानकारी के लिए अनुप्रयोग किया जा सकता है और मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट्स, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग और अन्य उन्नत एनालिटिक्स अनुप्रयोगों में उपयोग किया जा सकता है। बिग डेटा एप्लिकेशन जो हर दिन लोगों को प्रभावित करते हैं, परिवहन, विज्ञापन और विपणन, बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं, सरकार, मीडिया और मनोरंजन, मौसम विज्ञान, स्वास्थ्य देखभाल, साइबर सुरक्षा, शि क्षा उपयोग किया जा सकता है।

38 D

Ex. रूस के चरम उत्तर में पर्माफ्रॉस्ट से एक अच्छी तरह से संरि क्षत हिमयुग ऊनी गैंडा, जिसके कई आंतरिक अंग अभी भी बरकरार हैं, बरामद किया गया है।रूसी मीडिया ने बताया कि याकूतिया में पर्माफ्रॉस्ट पिघलने से शव का पता चला था।

39 B

Ex. आरबीआई का डिजिटल भुगतान सूचकांक, जो भारत में डिजिटल मोड के माध्यम से भुगतान को गहरा करता है, सितंबर 2021 में 39.64 प्रतिशत बढ़कर 304.06 हो गया, जो एक साल पहले महीने में 217.74 था। RBI-DPI सूचकांक देश भर में डिजिटल भुगतान को अपनाने और उसे गहरा करने में महत्वपूर्ण वृद्धि प्रदर्शित करता है। आरबीआई–डीपीआई का निर्माण मार्च 2018 को आधार अवधि के रूप में किया गया है, यानी मार्च 2018 के लिए डीपीआई स्कोर 100 पर सेट किया गया है। डीपीआई इंडेक्स में पांच व्यापक पैरामीटर शामिल हैं जो हमें देश में डिजिटल भुगतान समय अवधि को जानने में सक्षम बनाते हैं।

40 C

Ex.

41 A

Ex. इंटरपोल स्थानीय पुलिस बलों के सहयोग से ''फर्स्ट लाइट'' नाम से वैश्विक असामाजिक इंजीनियरिंग धोखाधड़ी संचालन करता है। दूरसंचार धोखाधड़ी में, कॉल ऑफशोर कॉल सेंटरों से आती हैं और आय आमतौर पर विदेशों में स्थानांतरित की जाती है। सबसे हालिया ऑपरेशन फर्स्ट लाइट जुलाई से सितंबर 2017 तक हुआ। पुलिस ने एशिया में स्थित 33 कॉल सेंटरों पर छापा मारा और 1,013 लोगों को गिरफ्तार किया, जिन पर दुनिया भर के अन्य देशों में पीड़ितों को पैसे देने के लिए धोखा देने के लिए कोल्ड कॉल करने या कॉल करने का संदेह था। विशिष्ट तौर–तरीकों में उन्हें परेशानी में रिश्तेदार होने का नाटक करना और धन की आवश्यकता होती है, या सेवाओं के लिए भुगतान का अनुरोध करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों के रूप में प्रस्तुत करना शामिल है।

42 B

Ex. तू बिशवत एक यहूदी अवकाश है जो हिब्रू महीने शेवत के 15 वें दिन होता है। इसे रोश हशनाह ला'इलानोट भी कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ 'पेड़ों का नया साल' है। समकालीन इजराइल में, दिन को पारिस्थितिक जागरूकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, और उत्सव में पेड़ लगाए जाते हैं। शब–ए–यल्दाः इसे टर्निंग पॉइंट भी कहा जाता है। वर्ष की सबसे लंबी रात (अंधेरे) का अंत, और दिनों (रोशनी) के बढ़ने की शुरुआत बुराई पर अच्छाई का उत्सव। यह भी जाना जाता है कि उनके पास उस रात के लिए विशेष मेवे हैं। मेहरेगनः मेहर का त्योहार (या मिहर = मिथरा) धन्यवाद का दिन। यह एक ऐसा दिन है जिसमें हर कोई मेहर या एक–दूसरे के लिए अपने प्यार का इजहार करता है और यह साल के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। वैलेंटाइन डे–प्यार का त्योहार।

43 D

Ex. बांग्लादेश के ढाका में वसंत का पहला दिन 'पहला फागुन' मनाया गया।

44 A

Ex. चंद्रा एक्स–रे वेधशाला, जिसे पहले उन्नत एक्स–रे खगोल भौतिकी सुविधा के रूप में जाना जाता था, 23 जुलाई, 1999 को नासा द्वारा STS–93 के दौरान स्पेस शटल कोलंबिया में लॉन्च किया गया एक फ्लैगशिप–क्लास स्पेस टेलीस्कोप है।

45 B

Ex. यह वायनाड, केरल, भारत में एक पशु अभयारण्य है। यह केरल का दूसरा सबसे बड़ा वन्यजीव अभयारण्य है। यह हाथियों और बाघों का एक प्रमुख आवास है, एशियाई जंगली कुत्तों/ढोलों की भी अच्छी संख्या है।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

46 A

Ex. 1890 के दशक में टेलीग्राफिक कोड ऑपरेटरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले संक्षिप्त नाम के रूप में 'पोटस' शुरू हुआ। यह ''संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति'' के लिए है।

47 C

Ex. नीति का उद्देश्य दुर्लभ बीमारियों की रोकथाम और उपचार के लिए तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को मजबूत करना है। दुर्लभ रोग नीति का उद्देश्य स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संयोजक के रूप में स्थापित किए जाने वाले राष्ट्रीय संघ की सहायता से स्वदेशी अनुसंधान पर अधिक ध्यान देकर दुर्लभ रोगों के उपचार की उच्च लागत को कम करना है।
इसके अलावा, नीति में क्राउड फंडिंग तंत्र की भी परिकल्पना की गई है जिसमें कॉरपोरेट्स और व्यक्तियों को दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए एक मजबूत आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से वित्तीय सहायता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस प्रकार एकत्र की गई निधि का उपयोग उत्ष्टता केंद्र द्वारा सभी तीन श्रेणियों के दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए पहले शुल्क के रूप में किया जाएगा और फिर शेष वित्तीय संसाधनों का उपयोग अनुसंधान के लिए भी किया जा सकता है।

48 D

Ex. कर्नाटक में अपनी अभिनव परियोजना आरई–एचएबी (मधुमक्खियों का उपयोग करके हाथी–मानव हमलों को कम करना) की सफलता से उत्साहित, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अब इस परियोजना को असम में दोहराया है। प्रोजेक्ट आरई–एचएबी के तहत, मानव क्षेत्रों में उनके प्रवेश को अवरुद्ध करने के लिए हाथियों के मार्ग में मधुमक्खी बक्से स्थापित करके ''बी–बाड़'' बनाई जाती हैं। बक्सों को एक तार से जोड़ा जाता है ताकि जब हाथी वहां से गुजरने का प्रयास करें, तो एक टग या पुल के कारण मधुमक्खियां हाथियों के झुंड को झुंड में ले आती हैं और उन्हें आगे बढ़ने से रोकती हैं। यह जानवरों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना मानव–जंगली संघर्षों को कम करने का एक किफायती तरीका है।

49 D

Ex. हाल ही में, विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) ने 2020 के लिए अपना वार्षिक वैश्विक जलवायु राज्य रिपोर्ट जारी किया। रिपोर्ट अमेरिका द्वारा आयोजित जलवायु पर लीडर्स समिट से पहले जारी की गई थी।
2020 में कोविड–19 के साथ संयुक्त चरम मौसम लाखों लोगों के लिए एक दोहरा झटका था। हालांकि, महामारी से संबंधित आर्थिक मंदी जलवायु परिवर्तन ड्राइवरों और त्वरित प्रभावों पर ब्रेक लगाने में विफल रही।

50 D

Ex.

51 A

Ex. प्रारंभिक UN-SWAP अवधि की समाप्ति पर, UN-SWAP की एक दूसरी पीढ़ी को UN सिस्टम संस्थाओं में व्यापक परामर्श के साथ विकसित किया गया था और 2018 में लॉन्च किया गया था। इसने UN-SWAP 1.0 को अद्यतन और विस्तारित किया, इसमें परिशोधन और सीखे गए पाठों का निर्माण किया, जैसा कि परिणामों पर ध्यान देने के साथ इसे सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा के साथ संरेखित करना। जबकि संयुक्त राष्ट्र–स्वैप कार्यान्वयन का पहला चरण जेंडर को मुख्यधारा में लाने और योजना बनाने पर केंद्रित है,दूसरे चरण को परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए डिजाइन किया गया है, और इसमें लिंग–संबंधी सतत विकास लक्ष्य परिणामों के लिए निगरानी गतिविधियों और परिणामों को शामिल किया गया है।

52 D

Ex.

53 A

Ex. EIU का सेफ सिटीज इंडेक्स वैश्विक शहरी सुरक्षा को मापने के लिए विकसित एक वैश्विक, नीति बेंचमार्किंग टूल है। इंडेक्स पहली बार 2015 में जारी किया गया था।
2021 में, शहरों को पांच व्यापक स्तंभों में सुरक्षा के 76 संकेतकों के आधार पर रैंक किया गया है, जो डिजिटल, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, व्यक्तिगत और पर्यावरण हैं। कोपेनहेगन सूचकांक में सबसे ऊपर है, उसके बाद टोरंटो और सिंगापुर सूचकांक से शीर्ष 10 शहर हैं: कोपेनहेगन , टोरंटो, सिंगापुर, सिडनी, टोक्यो, एम्स्टर्डम, वेलिंगटन, हांगकांग, मेलबर्न और स्टॉकहोम।

54 B

Ex. प्रभावी कार्बन दरें 2021 रिपोर्ट ओईसीडी द्वारा जारी
प्रभावी कार्बन दर ऊर्जा उपयोग, कार्बन करों और व्यापार योग्य उत्सर्जन परमिट की कीमतों पर विशिष्ट करों का योग है, जहां ये लागू होते हैं। यह बाजार आधारित नीति उपकरणों के परिणामस्वरूप ऊर्जा के उपयोग से कार्बन उत्सर्जन पर कुल मूल्य है।
दिसंबर 2015 में COP21 में प्रस्तुत किया गया, OECD और चयनित भागीदार अर्थव्यवस्थाओं में प्रभावी कार्बन दरें 41 देशों के लिए ऊर्जा उपयोग से CO2–उत्सर्जन पर प्रभावी कार्बन दरों (ECR) की गणना करती हैं, जो एक साथ वैश्विक उत्सर्जन का 80% उपयोग करते हैं।

55 B

Ex. 8 जून 2021 को अल सल्वाडोर की विधान सभा द्वारा बिटकॉइन कानून पारित किया गया था, जिससे क्रिप्टोकुरेंसी बिटकॉइन को 7 सितंबर 2021 के बाद अल सल्वाडोर के भीतर कानूनी निविदा का दर्जा दिया गया था। यह राष्ट्रपति नायब बुकेले द्वारा प्रस्तावित किया गया था।

56 B

Ex. थोरियम का परमाणु संख्या 90 है एवं इलेंट्रॉनिक विन्यास $[Rn]\ 6d^27S^2$ है।
$[Rn]5f^36d^17S^2$ यूरेनिय– परमाणु संख्या– 92
$[Rn]\ 5f^67S^2$ प्लूटोनियम' – प. सं. – 94

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

57 D

Ex. हाल ही में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (UNFCCC) के 26वें सम्मेलन का आयोजन ग्लासगो में संपन्न हुआ है। इसकी मेजबानी U.K. द्वारा की गयी । इसलीए कथन 1 और 2 दोनों सही है।
COP-26 के उद्देश्य :
2030 तक ग्लोबल वार्मिंग को 1.5°C (डिग्री सेल्सियस) तक सीमित करना।
वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वर्ष 2030 तक 45% की कटौती तथा वर्ष 2050 तक शून्य उत्सर्जन स्तर को प्राप्त कर ना है। इसलिए कथन '3' गलत है।

58 C

Ex. ये काश्मीर के जलवायु से संबंधित है।
चिल्लई कलां–40 दिनों का अत्यधिक ठण्ड इसके खत्म होने पर 31 जनवरी से 20 दिनों तक चिल्लई खुर्द और फिर 10 दिन का चिल्लई बच्चा।

59 D

Ex.

60 D

Ex. केंद्रीय संग्रह प्रणाली एक गुप्त मास इलेक्ट्रॉनिक निगरानी कार्य है जो C-DOT द्वारा बनाया गया है। इसके द्वारा मोबाईल फोन, टेलीफोन, इंटरनेट से संपन्न संचार को मॉनिटर किया जाता है।
इसका उद्देश्य सुरक्षा को मजबूत करना आदि है।

61 B

Ex.

आर्द्र भूमि	राज्य / कै.प्र.
1. त्सो कर	लदाख
2. सुलतानपुर राष्ट्रीय उद्यान	हरियाणा
3. थोल झील	गुजरात
4. हैदरपुर वेटलैंड	उत्तर प्रदेश

62 D

Ex. IUCN ने संकटापन्न पौधों व जीवों की प्रजातियों को उनके संरक्षण के उद्देश्य से तीन वर्षो में विभाजित किया है।
संकटापन्नाय प्रजातियां–वे प्रजाति जिनके लुप्त हो जाने का खतरा है। कथन 1 सही है।
सुभेद्य प्रजातियाँ–इसमें वे प्रजातियों आती हैं जिन्हें यदि संरक्षित नहीं किया गया तो भविष्य में विलुप्त हो जाएंगी। दुर्लभ प्रजातियाँ–संसार में इन प्रजातियों की संख्या बहुत कम है। ये प्रजातियाँ कुछ ही स्थानों पर सीमित है। IUCN विश्व की सभी प्रजातियों (संकटापन्न) के बारे में (Red List) रेड लिस्ट के नाम से सूचना प्रकाशित करता है।

63 C

Ex.

64 A

Ex. मिलू हिरण (डियर) IUCN के रेड लिस्ट में एक संकटापन्न है इसे पर डेविड डियर के नाम से भी जाना जाता है।
आवास–ये चीन के नदी घाटियों में पायी जाती है।

65 D

Ex. भारत सरकार ने प्रा.तिक सिमाओं में भीतर विभिन्न प्रकार की प्रजातियों को बचाने, संरक्षित करने और विस्तार करने के लिए वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम 1912 पारित किया है, जिसके अंतर्गत नेशनल पार्क, पशुविहार स्थापित किये गए तथा जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र घोषित किए गए।

66 A

Ex. ऑक्सीजन (O3) का अधिक सकेंद्रण समताप मंडल में पाया जाता है। ये सूर्य की पराबैगनी किरणो को अवशोषित कर हमें सुरक्षा प्रदान करती है।
ओजोन छिद्र–ओजोन लेयर का पतला हो जाना। इसका कारण CFC गैसे हैं।

67 D

Ex. जीन एडिटिंग (जीनोम या जीन) कोशिका या जीव की DAN में विशिष्ट परिवर्तन करने की एक विधि है। इसकी मदद से किसी जीव के जीन में आनुवंशिक सामग्री को शामिल किया जा सकता है।
इस प्रक्रिया में एक प्रकार का एंजाइम का उपयोग होता है, जिसे संशोधित न्यूक्लींज कहा जाता है।
इसका उपयोग कैंसर के इलाज में किया जा सकता इसलिए सभी कथन सही हैं।

68 A

Ex. समुद्रयान मिशन– यह भारत का पहला मानवयुक्त महासागर मिशन है।
इसका उद्देश्य गहरे समुद्र जल में मानवयुक्त पनडुब्बी भेजना है।
इस पनडुब्बी को मतस्या 6000 कहा जाता है। यह यान 3 लोगो को ले जा सकाता है।

69 A

Ex. यह सागर पूर्वी और सागर पश्चिमि के बाद तीसरा अनुसंधान जलयान है।
ये 2008 में साधिकार (कमीशन) किया गया था।
उद्देश्य–समुद्र में स्त्रोतों की तलाशना
खोज व बचाव ऑपरेशन संबंधी में भूमिका बढ़ना आदि।

70 B

Ex. मानव पेपिलोमावायरस वैक्सीन – ये सर्वाइकल कैंसर के खतरे को रोकता है (कम करता है)
सर्वाइकल कैंसर – ये गर्भाशय ग्रीवा से उत्पन्न होने वाला कैंसर है।
Convix–वह भाग जो गर्भाशय से नीचे और जो बजाइना (अमहपदं) को जोड़ता है।

71 B

Ex. विकास इंजन तरल ईंधन वाले रॉकेट इंजनों का एक परिवार है।
इसे लिक्विड प्रोपलूशन सिस्टम संदर द्वारा डिजाइन किया गया था।
यह इंजन सिर्फ PSLV व GSLV सीरीज के लॉचिग वाहन में प्रयोग किया जाता है।
PSLV के दूसरे स्टेज में
GSLV के दूसरे स्टेज में
GSLVMKIII के पहले स्टेज में।

72 A

Ex. ओरंग नेशनल पार्क भारत के असम राज्य में स्थित है यह ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तर में स्थित है।
इसलिए कथन 1 गलत है एवं इसके अलावा सभी कथन सही है।

73 C

Ex. केहर सिंह बनाम भारत संघ मामले, 1989 में, सर्वोच्च न्यायालय ने जोर देकर कहा कि "अनुच्छेद 72 के तहत राष्ट्रपति की शक्ति के क्षेत्र के रूप में प्रश्न पूरी तरह से न्यायिक क्षेत्र के अंतर्गत आता है और न्यायिक समीक्षा के माध्यम से अदालत द्वारा जांच की जा सकती है।"

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

74 C

Ex. अनुच्छेद 143 में कहा गया है, "यदि किसी भी समय राष्ट्रपति को यह प्रतीत होता है कि कानून या तथ्य का कोई प्रश्न उत्पन्न हुआ है, या उत्पन्न होने की संभावना है, जो इस तरह की प्र.ति और ऐसे सार्वजनिक महत्व का है कि राय प्राप्त करना समीचीन है उस पर सर्वोच्च न्यायालय का, वह उस प्रश्न को विचार के लिए उस न्यायालय को निर्दिष्ट कर सकता है और न्यायालय, ऐसी सुनवाई के बाद, जो वह ठीक समझे, राष्ट्रपति को उस पर अपनी राय दे सकता है।"

75 B

Ex. केंद्र शासित प्रदेशों के उच्च न्यायालयों का निर्णय संविधान के अनुच्छेद 241 के प्रावधान के तहत संसद द्वारा किया जाता है। दिल्ली और जम्मू और कश्मीर के अपने उच्च न्यायालय हैं।

76 D

Ex. भारत का महान्यायवादी भारत सरकार का मुख्य कानूनी सलाहकार और भारत के सर्वोच्च न्यायालय में इसका प्राथमिक वकील है। वह संविधान के अनुच्छेद 76(1) के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और राष्ट्रपति के प्रसाद पर्यंत पद धारण करता है। वह सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने के योग्य व्यक्ति होना चाहिए।

77 C

Ex. उच्च न्यायालय के अधिकारियों और सेवकों की नियुक्ति उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा अनुच्छेद 229 के प्रावधान के तहत की जाती है।

78 A

Ex. 98वें संशोधन अधिनियम, 2012 ने हैदराबाद–कर्नाटक क्षेत्रों की विकास गतिविधियों के प्रबंधन के लिए कर्नाटक के राज्यपाल की विशेष जिम्मेदारी प्रदान की।

79 C

Ex. यह भारत की संसद से संबंधित मामलों को देखता है और दो सदनों लोकसभा और राज्यसभा के बीच एक कड़ी के रूप में काम करता है। यह 1949 में एक विभाग के रूप में बनाया गया था लेकिन बाद में एक पूर्ण मंत्रालय बन गया। संसदीय कार्य मंत्री के पास मंत्रिपरिषद के सदस्य के रूप में कैबिनेट रैंक होता है। संसदीय कार्य मंत्रालय संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति के समग्र निर्देशन में कार्य करता है।

80 B

Ex. डिजिटल अधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गोपनीयता से निकटता से जुड़े हुए हैं, जो लोगों को डिजिटल मीडिया तक पहुंचने, उपयोग करने, बनाने और प्रकाशित करने के साथ–साथ कंप्यूटर, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और संचार नेटवर्क तक पहुंचने और उपयोग करने की अनुमति देते हैं।

81 C

Ex. 15 दिसंबर 2021 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चुनावी सुधारों पर एक विधेयक को मंजूरी दी. चुनाव आयोग प्रमुख चुनावी सुधारों पर जोर दे रहा है, जिसमें आधार संख्या को मतदाता सूची से जोड़ना, पेड न्यूज को चुनावी अपराध बनाना, झूठा हलफनामा दाखिल करने की सजा को बढ़ाना शामिल है।

82 B

Ex. केरल सरकार ने राज्यपाल के कार्यालय की संवैधानिक आवश्यकता पर सवाल उठाया. केरल सरकार ने बार–बार मांग की है कि राष्ट्रीय कानून को राज्यों को एक प्रतिनिधि निर्वाचक मंडल के माध्यम से उन्हें चुनने का अधिकार देना चाहिए।

83 C

Ex. समान नागरिक संहिता सभी नागरिकों के लिए अनुच्छेद 44 की दिशा में एक प्रभावशाली कदम होगा. यह संहिता सभी धर्मों के लोगों के लिए विवाह, तलाक, भूमि, संपत्ति और विरासत जैसे विषयों पर समान कानूनों के लिए होगा। लेकिन साथ ही, राज्य सरकार का ऐसा कदम राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रतिकूल नहीं होना चाहिए।

84 A

Ex. विपक्षी विधायकों पर पीठासीन अधिकारी के माइक्रोफोन को नुकसान पहुंचाने और उपाध्यक्ष को गाली देने के आरोपों के बीच, राज्य के संसदीय कार्य मंत्री द्वारा 12 विपक्षी विधायकों को निलंबित करने का प्रस्ताव बाद में महाराष्ट्र विधानसभा द्वारा पारित किया गया था। इसने निलंबित विधायकों को 12 महीने के लिए विधायी परिसर में प्रवेश करने से रोक दिया। सुप्रीम कोर्ट की तीन–न्यायाधीशों की बेंच ने फैसला सुनाया है कि जिस विशेष सत्र में इसे लगाया गया था, उसकी अवधि से परे निलंबन कानून की नजर में तर्कहीन और अवैध था।

85 C

Ex. चौथ एक ऐसा कर था जो छोटे राज्यों या राजवंशों को मराठों को देना पड़ता था। यह मराठा आक्रमणों से अपने क्षेत्र की रक्षा के लिए एक प्रकार का सुरक्षा धन था। यह मराठा साम्राज्य में नहीं बल्कि मुगलों या दक्कन सल्तनत के पड़ोसी क्षेत्रों में एकत्र किया गया था। शिवाजी ने अपने स्वयं के राजस्व अधिकारियों को नियुक्त किया जिन्हें कारकुन के नाम से जाना जाता था।
सरदेशमुखी चौथ पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त 10% कर था। यह उन भूमियों पर दावा किया गया था जिन पर मराठों ने वंशानुगत अधिकार होने का दावा किया था। इसकी शुरुआत रामनगर के महाराजा सोम शाह ने की थी।

86 C

Ex.

87 C

Ex. चैतन्य की शिक्षा प्रेम और भावनाओं पर केंद्रित थी। मानवता के लिए प्यार, भगवान के लिए प्यार। उनके अनुसार जप और कीर्तन के माध्यम से ईश्वरीय प्रेम को प्रतिपादित किया जा सकता है। वह भगवान कृष्ण के अनुयायी थे और इसलिए उन्होंने अपने कीर्तन उन्हें समर्पित किए। उनका मानना था कि गायन से व्यक्ति को ईश्वर का एहसास हो सकता है क्योंकि गायन मन को मानव संसार से दिव्य दुनिया में स्थानांतरित कर सकता है।
नामदेव एक कवि और संत थे। वे वैष्णववाद से प्रभावित थे और अपने भक्ति गीतों के लिए जाने जाते थे। ज्ञानेश्वर और तुकाराम के साथ, नामदेव ने हिंदू धर्म के वारकरी संप्रदाय की मान्यता का आधार बनाया।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

88 D

Ex. कराची में 1931 के कांग्रेस अधिवेशन में गांधी–इरविन समझौते का समर्थन किया गया था और गांधी को दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामित किया गया था। अधिवेशन की अध्यक्षता सरदार पटेल ने की, जिसके तहत कांग्रेस ने एक प्रस्ताव मौलिक अधिकार और आर्थिक नीति को अपनाया जो कांग्रेस की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टि का प्रतिबिंब था। प्रस्ताव के कुछ महत्वपूर्ण पहलू मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा, लगान और करों में कमी, महिलाओं और किसानों की सुरक्षा आदि थे। 1925 में सरोजनी नायडू कांग्रेस अध्यक्ष बनीं, हालांकि वे पहली महिला अध्यक्ष नहीं थीं। 1917 में एनी बेसेंट कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। 1921 के अधिवेशन में हसरत मोहानी ने पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की। फैजपुर में 1937 के सत्र में संविधान सभा की मांग उठाई गई थी।

89 A

Ex. रेगुलेटिंग एक्ट का मुख्य उद्देश्य रॉबर्ट क्लाइव द्वारा स्थापित दोहरी सरकार के मुद्दे को हल करना था। रेगुलेटिंग एक्ट 1773 कंपनी के क्षेत्रीय मामलों में ब्रिटिश सरकार द्वारा पहला हस्तक्षेप था। बंगाल के गवर्नर जनरल के पास अब मद्रास और बॉम्बे की प्रेसीडेंसी पर पर्यवेक्षी शक्तियां थीं। वारेन हेस्टिंग्स भारत के पहले गवर्नर जनरल बने। ब्रिटिश सरकार ने गवर्नर जनरल को सलाह और नियंत्रण करने के लिए 4 सदस्यों की एक परिषद नियुक्त की। चार सदस्य थे क्लेवरिंग, मोनसन, बारवेल और फ्रांसिस। इन सदस्यों को केवल कोर्ट ऑफ डायरेक्टर्स की सिफारिश पर ब्रिटिश क्राउन द्वारा वापस बुलाया जा सकता था। स्थापित उच्चतम न्यायालय में मूल और अपीलीय दोनों क्षेत्राधिकार थे। इसमें एक मुख्य न्यायाधीश, सर एलिजा इम्फी और 3 अन्य न्यायाधीश थे। इसे सभी ब्रिटिश विषयों पर अधिकार क्षेत्र दिया गया था। यह भारतीयों के धार्मिक और सामाजिक रीति–रिवाजों का सम्मान करेगा। अपील प्रिवी काउंसिल के पास थी।

90 D

Ex. अहम् ब्रह्मास्मि एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल भारतीय दर्शन में ब्रह्म (निरपेक्ष) के साथ आत्मा (आत्मा) की एकता को दर्शाने के लिए किया जाता है। शंकराचार्य बताते हैं कि ब्रह्म और ब्रह्मांड अनंत हैं और अनंत से अनंत की प्राप्ति होती है। वह बताते हैं कि ब्रह्म और अहम् ब्रह्मा के बीच में संपूर्ण सांसारिक ब्रह्मांड निहित है जिसे अज्ञानी द्वारा एक अलग इकाई के रूप में अनुभव किया जाता है।

91 B

Ex. कांग्रेस का 1907 का अधिवेशन ताप्ती नदी के तट पर हुआ था और इसकी अध्यक्षता रास बिहारी घोष ने की थी। नरमपंथियों का मानना था कि सरकार के साथ कुछ मुद्दों को बातचीत और बातचीत से सुलझाना चाहिए। दूसरी ओर, चरमपंथी आंदोलन, हड़ताल और बहिष्कार में विश्वास करते थे। नरमपंथियों ने राष्ट्रपति के रूप में रास बिहारी घोष का समर्थन किया जबकि उग्रवादियों ने राष्ट्रपति पद के लिए लाला लाजपत राय या बाल गंगाधर तिलक का समर्थन किया। उग्रवादी चाहते थे कि 1907 का अधिवेशन नागपुर में हो जबकि नरमपंथी इसे सूरत में चाहते थे। समझौता नहीं हो सका और परिणामस्वरूप कांग्रेस का विभाजन हो गया।

92 A

Ex. लातिना, फामसाना और वल्लभी नागर शैली के मंदिरों के उपखंड हैं जो शिखर (टॉवर) के आकार पर निर्भर करते हैं। लैटिना या रेखा प्रसाद शिखर का एक सरल और सबसे सामान्य प्रकार है। यह आधार पर वर्गाकार है और ऊपर की ओर इंगित करने के लिए दीवारें अंदर की ओर झुकती हैं। फामसाना लैटिना प्रकारों की तुलना में व्यापक और छोटी होती है। छत कई स्लैब से बना है जो इमारत के केंद्र में एक बिंदु तक बढ़ती है। फामसाना की छत अंदर की ओर नहीं झुकती बल्कि एक सीधी रेखा में ऊपर की ओर झुकती है। वल्लभी प्रकार शिखर आयताकार इमारतें हैं जो एक गुंबददार कक्ष में उठती हैं।

93 B

Ex. उश्र और खराज, दोनों भूमि कर के प्रकार हैं। सल्तनत काल के दौरान राजस्व प्रशासन अच्छी तरह से संगठित नहीं था। राज्य के वित्तीय संसाधन बहुत सीमित थे क्योंकि राज्य का अधिकार केवल भारत के कुछ हिस्सों तक ही फैला था। कृषि मुख्य व्यवसाय था और भू–राजस्व राज्य के लिए आय का स्रोत था। उश्र मुसलमानों के कब्जे वाली भूमि पर लगाया जाने वाला कर था। यह मुसलमानों के पास या प्राकृतिक तरीकों से सींची गई भूमि की कुल उपज का दसवां हिस्सा था। खराज कर हिंदुओं की जमीन पर लगाया जाता था।

94 B

Ex. कल्प सूत्र (अनुष्ठान) और निरुक्त (व्युत्पत्ति), दोनों वैदिक साहित्य से जुड़े हैं। कल्प का अर्थ है उचित। यह वैदिक अनुष्ठानों से जुड़ी प्रक्रिया और समारोहों पर केंद्रित है। निरुक्त कारण बताते हैं कि किसी विशेष शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है। निरुक्त का एकमात्र जीवित कार्य यास्क का निरुक्त है। यह कठिन वैदिक शब्दों का संग्रह है और विश्व का सबसे पुराना शब्दकोष है। अन्य वेदांगों में शिक्षा (फोनेटिक्स), व्याकरण (व्याकरण), छंदा (मेट्रिक्स) और ज्योतिष (खगोल विज्ञान) शामिल हैं। नारद स्मृति और पाराशर स्मृति दो धर्म शास्त्र हैं। अन्य स्मृतियों में मनु स्मृति, याज्ञवल्क्य स्मृति, बृहस्पति स्मृति, कात्यायन स्मृति आदि शामिल हैं। स्मृति एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है स्मरण या स्मृति। ये प्राचीन भारतीय कानून की किताबें हैं।

95 B

Ex.

96 A

Ex.

97 D

Ex. अकबर ने विभिन्न तरीकों से सुलह–ए–कुल या धर्मों के बीच शांति और सद्भाव की अवधारणा पर जोर देने की कोशिश की।

उन्होंने संस्कृत, अरबी, ग्रीक आदि कृतियों का फारसी में अनुवाद करने के लिए एक बड़ा अनुवाद विभाग स्थापित किया। इस प्रकार, सिंघासन बत्तीसी, अथर्ववेद और बाइबिल को पहले अनुवाद के लिए लिया गया।

इसके बाद महाभारत, गीता और रामायण का अनुसरण किया गया।

पंचतंत्र और भूगोल के कार्यों सहित कई अन्य का भी अनुवाद किया गया।

कुरान का अनुवाद भी शायद पहली बार हुआ था।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE

98 D

Ex. तेरापंथी श्वेतेम्बर जैन धर्म के तहत एक धार्मिक संप्रदाय है। तेरापंथी उप–संप्रदाय स्थानकवासी खंड से लिया गया है। इसकी स्थापना स्वामी भिक्कनजी महाराज, पूर्व में एक स्थानकवासी संत, ने अपने गुरु आचार्य रघुनाथ से स्थानकवासी तपस्वियों की धार्मिक प्रथाओं के कई पहलुओं पर असहमत होने पर की थी।

99 A

Ex. मुगल साम्राज्य के क्षेत्रों को जागीर, खालिसा और इनाम में विभाजित किया गया था। इनाम भूमि वे थी जो विद्वान और धार्मिक पुरुषों को दी जाती थी, चाहे उनकी धार्मिक आस्था और विश्वास कुछ भी हो।
अकबर ने एक नियम बनाया कि इनाम भूमि का आधा हिस्सा खेती योग्य बंजर भूमि का होना चाहिए। इस प्रकार, इनाम धारकों को खेती का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।
इनाम भूमि के नियंत्रण के लिए दीवान जिम्मेदार था। मीर ब ख्शी सैन्य वेतन और लेखा कार्यालय के प्रभारी थे।

100 B

Ex. अगस्त घोषणा, 1917 (अगस्त प्रस्ताव, 1940 के साथ भ्रमित नहीं होना) 20 अगस्त, 1917 को ब्रिटिश हाउस ऑफ कॉमन्स के फर्श से भारत के राज्य सचिव मोंटेग द्वारा बनाया गया था। इसने संवैधानिक सुधारों के माध्यम से स्वशासी संस्थाओं के क्रमिक विकास का वादा किया, जिसका उद्देश्य भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के एक अभिन्न अंग के रूप में उत्तरोत्तर ''जिम्मेदार सरकार'' की शुरुआत करना था। दूसरे शब्दों में, चल रहे संवैधानिक सुधारों का अंतिम उद्देश्य भारतीयों को कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य गुणों के समान स्व–शासन प्रदान करना था। जिम्मेदार सरकार की प्राप्ति के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई थी। अगस्त प्रस्ताव (1940) गवर्नर–जनरल लिनलिथगो द्वारा 8 अगस्त, 1940 को ब्रिटिश सरकार की ओर से भारतीय राष्ट्रवादियों को द्वितीय विश्व युद्ध के लिए भारत के समर्थन को सुरक्षित करने के लिए दिया गया था।

INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITUTE VAJIRAO INSTITU